



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 521]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 22, 2006/ज्येष्ठ 1, 1928

No. 521]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 22, 2006/JYAISTHA 1, 1928

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 22 मई, 2006

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006

का.आ. 783(अ).—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 में :
 - (i) विनियम 33 में, उप-विनियम (3) में—
 - (क) खंड (ख) में, विष्णु तथा शब्द “और” अंत में अंतःस्थापित किये जायेंगे;
 - (ख) खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 - “(ग) स्कीम के प्रारम्भिक निर्गम व्ययों का परिशोधन पूर्णतः दसवीं अनुसूची के अनुसार कर दिया गया है।”
 - (ii) विनियम 45 में, परंतु निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 - “परंतु यह कि पारस्परिक निधि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार कर सकेगी, ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों के अध्यधीन जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किये जायेंगे।”
 - (iii) विनियम 49 में,
 - (क) उप-विनियम (3) में, दो विषमान परंतुकों के पश्चात्, निम्नलिखित अतिरिक्त परंतुक अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 - “परंतु यह और कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारम्भ के पश्चात् किसी संवृत्त स्कीम द्वारा कोई प्रवेश भार प्रभारित नहीं किया जायेगा।”
 - (ख) उप-विनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :
 - “(3क) जहाँ पारस्परिक निधि संवृत्त स्कीम में यूनिटों का पुनः क्रय करती है जो उप-विनियम (3ख) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करती है, यह आनुपातिक प्रारम्भिक निर्गम व्ययों या उनके भाग जिनका परिशोधन न हुआ हो को व्यक्त करने वाली रकम की कटौती कर लेगी, पुनः क्रय आगमों से।”

स्पष्टीकरण : पद “आनुपातिक प्रारंभिक निर्गम व्ययों या उनके भाग जिनका परिशोधन न हुआ हो” स्कीम के व्ययों के ऐसे अनुपात को निर्दिष्ट करता है जो उन यूनिटों के कारण हुए माने जा सकते हैं जिनका पुनः क्रय किया जा रहा है।

(३ख) उप-विनियम (३क) में निर्दिष्ट शर्तें निम्नलिखित हैं :

(क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006 के प्रारंभ के पश्चात् स्कीम आरंभ होती है; और

(ख) स्कीम की बाबत प्रारंभिक निर्गम व्यय पारस्परिक निधि के प्रति प्रभारित किए गए हैं या प्रभारित किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं, विनियम 52 के उप-विनियम (४) के खण्ड (क) के अनुसार।

(३ग) उप-विनियम (३क) के अधीन वसूल की गई रकम को स्कीम के अपरिशोधित प्रारंभिक निर्गम व्ययों के प्रति जमा कर दिया जायेगा।”

(iv) विनियम 52 में :—

(क) उप-विनियम (४) में, खण्ड (क) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(क) आरंभ होने वाली संवृत्त स्कीमों के प्रारंभिक व्यय, जिनका लेखा दसवीं अनुसूची के अनुसार स्कीम की लेखा बहियों में रखा जायेगा;”

(ख) उप-विनियम (५) में, पहला परंतुक निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“परंतु यह कि संवृत्त स्कीम आरंभ करने के प्रारंभिक व्यय उस स्कीम के अधीन जुटाए गए आरंभिक साधनों के छह प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।”

(v) विनियम 52 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“लाभांशों की घोषणा

52क. पारस्परिक निधि प्रस्ताव दस्तावेज के अनुसार और ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किए जायें के अध्यधीन लाभांशों की घोषणा कर सकेंगी।”

(vi) सातवीं अनुसूची में, खाण्ट ६ में, परन्तुक निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि पारस्परिक निधि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार कर सकेंगी, ऐसे मार्गदर्शक सिद्धांतों के अध्यधीन जो बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किये जायें।”

(vii) दसवीं अनुसूची में :—

(क) शीर्षक में, कोष्ठकों, शब्दों और अंकों “[विनियम 52(५)]” के लिए, कोष्ठक, शब्द और अंक “[विनियम 52(४)(क)]” प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

(ख) शीर्षक में, शब्दों “प्रारंभिक निर्गम व्यय” के लिए, शब्द “संवृत्त स्कीमों हेतु प्रारंभिक निर्गम व्ययों का परिशोधन” प्रतिस्थापित किये जायेंगे;

(ग) खण्ड (ग) का लोप हो जायेगा;

(घ) खण्ड (घ) में पहले वाक्य में आने वाले शब्दों, “और विवृत स्कीमों” का लोप हो जायेगा।

[फा. स. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/2205./2006]

एम. दामोदरन, अध्यक्ष

पाद टिप्पण :

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996, मूल विनियम, सं. का.आ. 856(अ), 9 दिसम्बर 1996, को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
- (2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् :—
 - (क) 15 अप्रैल, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1997, सं. का.आ. 327(अ), द्वारा
 - (ख) 12 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1998, सं. का.आ. 32(अ), द्वारा
 - (ग) 8 दिसम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1999, सं. का.आ. 1223(अ), द्वारा

- (घ) 14 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 235(अ), द्वारा
- (ङ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 278(अ), द्वारा
- (च) 22 मई, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 484(अ), द्वारा
- (छ) 23 जनवरी, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 69(अ), द्वारा
- (ज) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 476(अ), द्वारा
- (झ) 23 जुलाई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 698(अ), द्वारा
- (अ) 20 फरवरी, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 219(अ), द्वारा
- (ट) 11 जून, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 625(अ), द्वारा
- (ठ) 30 जुलाई, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 809(अ), द्वारा
- (ड) 9 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (चौथा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 956(अ), द्वारा
- (इ) 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जाँच अधिकारी द्वारा जाँच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा
- (ण) 29 मई, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 632(अ), द्वारा
- (त) 12 जनवरी, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2004, फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/4/2004, द्वारा
- (थ) 10 मार्च, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदण्ड) विनियम, 2004, सं. का.आ. 398(अ), द्वारा
- (द) 12 जनवरी, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 38(अ), द्वारा

संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 22nd May, 2006

Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006

S.O. 783(E).—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, namely :—

1. These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 :
 - (i) In regulation 33, in sub-regulation (3)—
 - (a) in clause (b), the figure and word “; and” shall be inserted at the end;
 - (b) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :

“(c) the initial issue expenses of the scheme have been amortised fully in accordance with the Tenth Schedule.”

(ii) in regulation 45, the proviso shall be substituted with the following, namely :

“Provided that a mutual fund may enter into derivatives transactions in a recognised stock exchange, subject to such Guidelines as may be specified by the Board.”

(iii) in regulation 49,

(a) in sub-regulation (3), after the two existing provisos, the following further proviso shall be inserted, namely :

“Provided further that no entry load shall be charged by any close-ended scheme after commencement of the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006.”

(b) after sub-regulation (3), the following sub-regulation shall be inserted, namely :—

“(3A) Where a mutual fund repurchases units in a close ended scheme which fulfills the conditions mentioned in sub-regulation (3B), it shall deduct an amount representing proportionate initial issue expenses or part thereof remaining unamortized, from the repurchase proceeds.

Explanation : The term ‘proportionate initial issue expenses or part thereof remaining unamortised’ refers to such proportion of the expenses of the scheme as are attributable to the units being repurchased.

(3B) The conditions referred to in sub-regulation (3A) are the following :

(a) the scheme is launched after commencement of the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006; and

(b) initial issue expenses in respect of the scheme have been charged or are proposed to be charged to the mutual fund, as per clause (a) of sub-regulation (4) of regulation 52.

(3C) The amount recovered under sub-regulation (3A) shall be credited to the unamortized initial issue expenses of the scheme.”

(iv) in regulation 52 :—

(a) in sub-regulation (4), clause (a) shall be substituted with the following, namely—

“(a) initial expenses of launching close-ended schemes, which shall be accounted in the books of account of the scheme in accordance with the Tenth Schedule;”

(b) in sub-regulation (5), the first proviso shall be substituted with the following, namely—

“Provided that initial expenses of launching a close-ended scheme shall not exceed six per cent of initial resources raised under that scheme.”

(v) after regulation 52, the following regulation shall be inserted, namely :—

“Declaration of dividends

52A. A mutual fund may declare dividends in accordance with the offer document and subject to such Guidelines as may be specified by the Board.”

(vi) in Seventh Schedule, in clause 6, the proviso shall be substituted with the following, namely :—

“Provided that a mutual fund may enter into derivatives transactions in a recognised stock exchange, subject to such Guidelines as may be specified by the Board.”

(vii) in Tenth Schedule :—

(a) in the Heading, for the brackets, words and figures “[Regulation 52(5)]”, the brackets, words and figures “[Regulation 52(4)(a)]” shall be substituted;

- (b) in the Heading, for the words "initial issue Expenses", the words "Amortisation of Intiatl Issue Expenses for Close-ended Schemes" shall be substituted;
- (c) clause (c) shall be omitted;
- (d) in clause (d) the words, "and open ended schemes" occurring in the first sentence shall be omitted.

[F. No. SEBI/LAD/DOP/2205/2006.]

M. DAMODARAN, Chairman

Footnotes :

- (1) The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, the Principal Regulations were published in the Gazette of India on December 9, 1996 *vide* S.O. No. 856(E).
- (2) The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 were subsequently amended—
 - (a) on April 15, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1997 *vide* S.O. No. 327(E).
 - (b) on Januray 12, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1998 *vide* S.O. No. 32(E).
 - (c) on December 8, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1999 *vide* S.O. No. 1223(E).
 - (d) on March 14, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2000 *vide* S.O. No. 235(E).
 - (e) on March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 *vide* S.O. No. 278(E).
 - (f) on May 22, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2000 *vide* S.O. No. 484(E).
 - (g) on January 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2001 *vide* S.O. No. 69(E).
 - (h) on May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 *vide* S.O. No. 476(E).
 - (i) on July 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2001 *vide* S.O. No. 698(E).
 - (j) on February 20, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2002 *vide* S.O. No. 219(E).
 - (k) on June 11, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2002 *vide* S.O. No. 625(E).
 - (l) on July 30, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2002 *vide* S.O. No. 809(E).
 - (m) on September 9, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fourth Amendment) Regulations, 2002 *vide* S.O. No. 956(E).
 - (n) on September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 *vide* S.O. No. 1045(E).
 - (o) on May 29, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2003 *vide* S.O. No. 632(E).
 - (p) on January 12, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2004 *vide* F. No. SEBI/LAD/DOP/4/2004.
 - (q) on March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 *vide* S.O. No. 398(E).
 - (r) on January 12, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2006 *vide* S.O. No. 38(E).

1536 GT/ob - 2